DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B. A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294312191

वालपोल की गृहनीति : — II

(ii) शांन्ति और समृद्धि का पुजारी : — वालपोल शान्ति का एक बहुत बड़ा पुजारी थी। उसे यह अटूट विश्वास था कि देश की उन्नति शांति के मार्ग पर चलकर ही पुरी हो सकती है। युद्ध से तो देश तबाह और बर्बाद हो जाता है और उस देश की समृद्धि भी जाती रही है। अब तक इंगलैंड बहुत बड़े-बड़े युद्धों में शामिल होकर बर्बाद होता रहा था। अब थक सा गया था। देश की आर्थिक दशा खराब हो गयी थी, जनता तबाह थी। अतः इंगलैंड को शान्ति की आवश्यकता थी। वालपोल बहुत सोच-समझकर निष्क्रयता तथा शान्ति की नीति अपनायी उसका सिद्धान्त था - "Quit a non mover" अर्थात: Let sleeping dogs lie" (सोये हुए कुत्तों को छोड़ दो) उसकी इस कहावत का अर्थ था कि किसी भी देश के घरेलु मामले में नहीं पड़ना चाहता था। जिससे युद्ध होने की आशंका थी। इस तरह से उसने अपने काल में कोई युद्ध किसी भी देश के साथ नहीं करना चाहता था। न ही किसी देश के साथ खुनखराबा हुआ। अतः उसका शासन देश के लिए उत्साह भरा कहा जाता है।